[PROF. P.J. KURIEN]

for whatever possible action. That is an assurance. What more do you need? Sit down. No, please. ...(*Interruptions*)... That is an assurance. Next is Mr. Prabhat Jha. ...(*Interruptions*)... The Minister is kind enough to give an assurance. What more do you want? ...(*Interruptions*)... No, no. Mr. Pabhat Jha, please speak. ...(*Interruptions*)...

Disregard and carelessness shown towards the CGHS cardholders by Private Hospitals in Delhi

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मेरे पास एक आइडेंटिटी कार्ड होता है, जिससे मैं गाड़ी चलाता हूं, एक आइडेंटिटी कार्ड से मैं राज्य सभा में आता हूं, एक आइडेंटिडी कार्ड से मैं बैंक में जाता हूं, इस तरह बहुत सारे ऐसे आइडेंटिटी कार्ड होते हैं।

केन्द्र सरकार ने लाखों लोगों को सीजीएचएस के माध्यम से भी एक कार्ड दिया हुआ है कि जब आप बीमार पड़ें तो जहाँ पर इसकी मान्यता है, तत्काल वहां जा कर आप भर्ती हो जाएं, लेकिन इस कार्ड का इतना बड़ा मजाक हो रहा है। पिछले दिनों आपने सांसद महोदय के केस में देखा कि जगजीवन राम अस्पताल में उनके साथ क्या हुआ, एक्सपायर होने के बाद उनके शव को प्राप्त करने के लिए क्या-क्या किया गया।

1954 में यह अधिकार केवल दिल्ली में दिया गया था। इसके बाद देश के कुछ अन्य प्रान्तों में इस योजना को लागू करने के लिए भेजा गया। कुछ अस्पताल सिलेक्ट किए गए, उन अस्पतालों में आप यह कार्ड ले जाइए, आप रिटायर्ड हैं, पेंशनधारी हैं, उप-राज्यपाल हैं, पूर्व-राज्यपाल हैं, न्यायाधीश हैं, ऐसे तमाम लोगों को यह सुविधा दी गई।

जब परसों रात FCI का एक रिटायर्ड कर्मचारी इस कार्ड को लेकर दिल्ली के एक अस्पताल में पेट दर्द की शिकायत लेकर पहुंचता है, तो उस अस्पताल में उसका अल्ट्रा साउण्ड, आदि चेक अप करने के बाद उससे कहा जाता है कि आपको कुछ नहीं है, आपका इस अस्पताल में कोई इलाज नहीं होगा, क्योंकि तब तक उसको मालूम हो गया कि यह पेंशनर है और इसके पास कार्ड है और इसका पैसा जल्दी नहीं मिलेगा, इसलिए उसने उसको टरका दिया। इसके बाद उसका दर्द बढ़ने लगा, पेट फूलने लगा और उसकी हालत सीरियस होने लगी, तो फिर वह दूसरे अस्पताल में जाता है। उस अस्पताल में भी वह कार्ड को दिखाता है, उस कार्ड को दिखाने के बाद उसके साथ वही ज्यादती होती है। वह आदमी मौत से जूझ रहा है, लेकिन उसको कहा जाता है कि आप सरकारी अस्पताल में जाइए, राम मनोहर लोहिया अस्पताल में जाइए। आपने लाखों लोगों को यह कार्ड दिया है। आपने यह कार्ड उनको इसलिए दिया है, ताकि उनकी हिफाजत हो, उनका इलाज हो। इसके बाद वह, यानी के.के. शारदा नाम का कर्मचारी प्राइवेट अस्पताल में एडवांस में पैसा जमा करके एडमिट होता है और वहां उसका ऑपरेशन होता है, लेकिन उस कार्ड का कोई उपयोग नहीं होता है। ऐसे एक नहीं अनेक मामले हैं।

"कैग" ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि तमाम सारे ऐसे बिल्स के अम्बार लगे हुए हैं, लेकिन उनका निराकरण नहीं हो रहा है और इस कारण से अस्पतालों को पैसा नहीं जाता है। जिंदगी और मौत से जूझते आदमी के लिए यह कार्ड आशा की किरण होती है, तो मैं अस्पताल में जाकर दिखाऊंगा, लेकिन ऐसा होता नहीं है। देश में लाखों कर्मचारी हैं और पेंशनधारी हैं। **...(समय की घंटी)... ...(व्यवधान)...**

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN) : Your time is over. ...(*Interruptions*)... Your time is over. ...(*Interruptions*)...

श्री प्रभात झा : महोदय, मेरी यह मांग है कि लोगों की जिंदगी के साथ इस तरह का मजाक बंद हो और सरकार इस पर तत्काल ध्यान दे। धन्यवाद।

DR. BHARATKUMAR RAUT (Maharashtra) : Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI ANIL DESAI (Maharashtra) : Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Sexual abuse of girls at Kids' shelter

SHRIMATI JHARNA DAS BAIDYA (Tripura) : Thank you, Sir, for giving me a chance to speak on the subject. The subject of my Zero Hour mention is Sexual Abuse of Girls at Kids' Shelter.

Sir, I want to tell you about the children living at a shelter home run by an NGO, namely, Apna Ghar, where they were sexually abused, beaten, molested and made to work as labourers on farms and construction sites. The shelter home which is run by an NGO, namely, Apna Ghar, had won a Haryana State award for women's empowerment in March this year. Around 12 girls, in their teens, alleged that they were exploited by the owner to earn money. One of them said that she was forced to sleep with a man. They were molested by various people. If any girl protested, she would be paraded naked and beaten. The girls had, in fact, been shifted to the Rohtak home from an orphanage in Gurgaon following allegations of sexual abuse there. Although they have been arrested for exploiting children and booked for sexual harassment and molestation of the inmates, the Government should take stringent action against the culprit in accordance with the existing rules and regulations and issue immediate directions to ensure that these crimes are properly investigated and the criminals are apprehended. Thank you.

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal) : Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal) : Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member. How can they be awarded by the State Government? This should be enquired into, Sir. ...(*Interruptions*)...

SHRI K.N. BALAGOPAL (Kerala) : Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member. This is a very serious issue, Sir.

SHRI M.P. ACHUTHAN (Kerala) : Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री मंगल किसन (ओडिशा) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।